Total Pages : 4 Roll No. .....

MAHL-104

साहित्य शास्त्र एवं हिन्दी समालोचना

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

First Year Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अलंकार सम्प्रदाय का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. ध्वनि सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. अरस्तू के 'अनुकरण सिद्धान्त' पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद पर टिप्पणी लिखें।

2. बिम्बवाद की सैद्धांतिकी स्पष्ट करें।

3. यथार्थवादी साहित्य किसे कहते हैं? यथार्थवादी के सैद्धांतिक आधारों को स्पष्ट करते हुए अपने मत स्पष्ट करें।

4. 'हिन्दी आलोचना एवं शुक्लोत्तर युग' विषय पर विचार कीजिए।

5. काव्य विषयक पाश्चात्य मतों की समीक्षा कीजिए।

6. 'प्रतिभा' काव्यहेतु पर विचार कीजिए।

7. काव्य प्रयोजन सम्बन्धी आचार्य मम्मट के मतों की समीक्षा प्रस्तुत करें।

8. वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख मान्यताओं पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए।

1. औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्त्तक क्षेमेन्द्र हैं।

2. 'सहृदय' सिद्धान्त का प्रतिपादन भट्टनायक ने किया।

3. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' वाक्य के रचयिता भरत हैं।

4. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' पुस्तक के लेखक रामविलास शर्मा हैं।

5. 'परम्परा और कैतिक प्रज्ञा' निबन्ध की रचना टी.एस. इलियट ने की है।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

6. ..... मार्क्सवादी आलोचक हैं।

(हजारी प्रसाद द्विवेदी/नन्ददुलारे बाजपेयी/नामवर सिंह)

7. ..... उत्तर आधुनिकतावादी आलोचक है।

(देरिदा/कार्ल मार्क्स/लु शून)

8. 'प्रिसिपल ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' पुस्तक के लेखक .... हैं।

(टी.एस. इलियट/आई.ए. रिचर्ड्स/मेथ्यू आर्नल्ड)

9. बुद्धिवाद ..... की बुनियादी मान्यता है।

(आधुनिकता/शैली विज्ञान/स्वच्छन्दतावाद)

10. 'अभिनव भारती' ..... ग्रन्थ की टीका है।

(नाट्यशास्त्र/साहित्यदर्पण/काव्यप्रकाश)